डिजिटल संस्करण
केशव टाइम्स
1 दिसंबर 2025
सोमवार
आपकी आवाज

एटीएम को गैस कटर से काटकर लाखों की चोरी, बैंक-पुलिस की लापरवाही उजागर
2

सोनिया, राहुल के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने दर्ज की नई एफआईआर

- इकोनॉमिक ऑफेंस विंग ने नेशनल हेराल्ड केस में उठाया बड़ा कदम

एजेंसी। नई दिल्ली

नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ती दिख रही हैं। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने एक नई एफआईआर दर्ज की है। दिल्ली पुलिस की इकोनॉमिक ऑफेंस विंग ने नेशनल हेराल्ड केस में एक नई एफआईआर दर्ज की है। एफआईआर डिटेल्स में राहुल गांधी और सोनिया गांधी के अलावा छह नाम शामिल हैं। ईडी मुख्यालय द्वारा ईओडब्ल्यू में शिकायत दर्ज करने के बाद एफआईआर रजिस्टर की गई। इस एफआईआर में आपराधिक साजिश रचकर कांग्रेस से जुड़ी कंपनी एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) पर धोखाधड़ी से कब्जा करने का आरोप लगाया गया है। ईडी ने अपनी जांच रिपोर्ट दिल्ली पुलिस के साथ साझा की थी, जिसमें पीएमएलए की धारा 66(2) के तहत अनुसूचित अपराध दर्ज करने की सिफारिश की गई। आरोप है कि यंग इंडियन नाम की कंपनी के जरिए एजेएल की करीब 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति पर नियंत्रण हासिल किया गया। एफआईआर में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के अलावा सैम पित्रोदा (इंडियन ओवरसीज कांग्रेस प्रमुख), तीन अन्य व्यक्ति और तीन कंपनियों के भी नाम हैं। कोलकाता की कथित शेल कंपनी है, जिसने यंग इंडियन को एक करोड़ रुपये दिए थे। इस लेन-देन से यंग इंडियन ने कांग्रेस को मात्र 50 लाख रुपये देकर एजेएल पर कब्जा कर लिया, जहां संपत्ति का मूल्यांकन 2,000 करोड़ रुपये से अधिक बताया गया है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की चार्जशीट पर संज्ञान लेने का फैसला फिर टाल दिया। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने अब यह आदेश 16 दिसंबर को सुनाएंगे। ईडी ने इस केस में पीएमएलए के तहत सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा, सुमन दुबे और कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं को आरोपी बनाया है।एजेंसी का आरोप है कि नेशनल हेराल्ड के प्रकाशक एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) से जुड़ी वित्तीय अनियमितताएं हुई हैं।

जवाब दाखिल का था आदेश

पिछली सुनवाई में ईडी के वकील ने कोर्ट से कहा था कि सभी आरोपी अपना जवाब दाखिल करें। लेकिन आरोपी पक्ष के कुछ वकीलों ने इसका विरोध किया। केस के बड़े रिकॉर्ड को देखने के लिए और समय मांगा। इससे पहले कोर्ट ने सभी आरोपियों को नोटिस देकर कहा था कि संज्ञान लेने से पहले उन्हें अपनी बात रखने का अधिकार है। अदालत ने नए आपराधिक कानून बीएनएसएस की धारा 223 का हवाला देते हुए कहा कि आरोपी को इस स्तर पर भी सुना जाना फेयर ट्रायल के लिए जरूरी है। कोर्ट ने साफ किया कि यह प्रावधान पीएमएलए से टकराता नहीं है और पारदर्शिता को बढ़ाता है। अब अदालत 16 दिसंबर को यह तय करेगी कि ईडी की चार्जशीट पर संज्ञान लिया जाए या नहीं।नेशनल हेराल्ड मामले में म्व की चल रही मनी लॉन्ड्रिंग जांच पूर्व ठश्रच सांसद सुब्रमण्यम स्वामी की निजी शिकायत और 2014 में पटियाला हाउस कोर्ट के मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट द्वारा उसकी स्वीकार्यता पर आधारित है।

स्लीपर यात्रियों को राहत, जनवरी 2026 से शुरू होगी बेडरोल सुविधा

एजेंसी। नई दिल्ली

दक्षिण रेलवे के चेन्नई डिवीजन ने पहली बार स्लीपर क्लास यात्रियों के लिए साफ और सैनिटाइज्ड बेडरोल सर्विस शुरू करने का ऐलान किया है। यह सुविधा जनवरी 2026 से शुरू होगी। अब तक बेडरोल केवल एसी कोचों में ही उपलब्ध होते थे, लेकिन अब नॉन- एसी स्लीपर में भी यात्री इसे मांग पर और भुगतान करके ले सकेंगे। 2023-24 के तहत शुरू किए गए सफल पायलट प्रोजेक्ट के बाद लागू की जा रही है। यात्रियों की अच्छी प्रतिक्रिया के बाद रेलवे ने इसे स्थायी गैर-किराया राजस्व योजना के रूप में मंजूर कर दिया है। रेलवे का कहना है कि इससे स्लीपर क्लास यात्रियों की यात्रा और आरामदायक और स्वच्छ होगी। लंबे सफर पर बेडरोल ना मिलने की समस्या भी खत्म होगी। इस सर्विस से रेलवे को भी अतिरिक्त आमदनी होगी। चेन्नई डिवीजन को इस योजना से हर साल 28,27,653 रुपये लाइसेंस शुल्क मिलने की उम्मीद है।

खेलों में मिली उपलब्धियों को सराहा, खिलाड़ियों ने जीता मेडल

वोकल फॉर लोकल के मंत्र पर चले : पीएम मोदी

- देश में विंटर टूरिज्म की पूरी संभावना, बढ़ेगी आर्थिक आय
- 2 दिसंबर से काशी तमिल संगमम की शुरूआत हो रही

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात में देश को संबोधित किया। इसमें प्रधानमंत्री मोदी ने देश में रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन, खेलों में भारत की उपलब्धियों और अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की ऊंची उड़ान आदि मुद्दों पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि खेलों के लिहाज से भी ये महीना भारत के लिए सुपरहिट रहा। पहले महिला टीम ने वर्ल्ड कप जीता। कुछ दिनों पहले ही बधिर ओलंपिक में 20 मेडल जीते। हमारी महिला टीम ने कबड्डी वर्ल्ड कप जीता। वर्ल्ड बॉक्सिंग में भी हमारे खिलाडियों ने 20 पदक जीते। हमारी ब्लाइंड महिला टीम ने बिना कोई मैच हारे वर्ल्ड कप जीता। इस टीम का हौसला और जज्बा हमें बहुत कुछ सिखाता है। ये जीत हर भारतीय को प्रेरित करती रहेगी। प्यारे देशवासियों मैं आप सभी से वोकल फॉर लोकल के मंत्र को साथ लेकर चलने की अपील करता हूं। हाल ही में जी 20 सम्मेलन के दौरान मैंने वैश्विक नेताओं को ऐसे उपहार भेंट किए, जो वोकल फॉर लोकल के मंत्र को बढ़ावा देते हैं। मैंने जापान की प्रधानमंत्री को भगवान बुद्ध की चांदी की प्रतिमा भेंट की। इटली की पीएम को करीमनगर की एक कला भेंट की। मैं चाहता हूं कि दुनिया हमारे कारीगरों की प्रतिभा को पहचाने। मुझे खुशी है कि वोकल फॉर लोकल की भावना को देशवासियों ने अपना लिया है। हाल के त्योहारों की खरीद में लोगों ने मन से भारत के उत्पादों को चुना। इस बार युवाओं ने भी वोकल फॉर लोकल के अभियान को गति दी। आगामी क्रिसमस के समय भी वोकल फॉर लोकल की भावना का ध्यान रखे। आजकल हमारे देश में एंड्युरेंस स्पोर्ट्स की संस्कृति तेजी से उभर रही है। इससे मतलब ऐसी गतिविधियों से है, जिनमें इंसानी क्षमता की परख होती है। मुझे बताया गया है कि देशभर में हर महीने 1500 से ज्यादा एंड्युरेंस स्पोर्ट्स का आयोजन होता है, जिसमें हिस्सा लेने के लिए एथलीट्स दूर-दूर तक जाते हैं। इसका उदाहरण है आयरनमैन जिसमें समुद्र में चार किलोमीटर तक तैरना, 180 किलोमीटर की साइकिल चलाना और 82 किलोमीटर तक मैराथन करना जैसे काम एक दिन में करने होते हैं। ऐसी कई और प्रतियोगिताएं हैं, जो युवाओं में काफी लोकप्रिय हो रही हैं। इनसे फिटनेस को बढ़ावा मिलता है। साथियों आपसे हर महीने मिलना मेरे लिए नया अनुभव होता है। आपकी गाथाएं और आपके प्रयास मुझे प्रेरित करते हैं। आपके सुझाव मुझे इस कार्यक्रम में भारत की विविधताओं को समेटने की प्रेरणा मिलती है। सर्दियों के मौसम में आप अपना और अपने परिवार का ध्यान रखें।

देश में विंटर टूरिज्म की संभावनाएं

अनेक देशों में विंटर फेस्टिवल, स्कीइंग, फैमिली स्नोपार्क जैसे अनुभवों को अपनी पहचान बनाया है। हमारे देश में भी विंटर टूरिज्म की असीम संभावनाएं मौजूद हैं। इन दिनों उत्तराखंड का विंटर टूरिज्म लोगों को आकर्षित कर रहा है। कई जगह लोगों के बीच खूब प्रसिद्ध हो रही हैं। हाल ही में आदि कैलाश में राज्य की पहली हाई एल्टीट्यूड मैराथन रन का आयोजन किया गया। 60 किलोमीटर लंबी आदि कैलाश रन कड़कड़ाती सर्दी में सुबह 5 बजे हुआ था। आदि कैलाश की यात्रा पर जहां तीन साल पहले तक दो हजार तक पर्यटक आते थे, आज यह संख्या बढ़कर 30 हजार तक पहुंच गई है।

तमिलनाडु के शिवगंगा में दो बसों की भीषण टक्कर, हादसे में 11 लोगों की मौत

एजेंसी। चेन्नई

तमिलनाडु के शिवगंगा जिले में तिरुपथुर के पास रविवार को एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें दो बसों की आमने-सामने टक्कर में एक बच्चे समेत कुल 11 लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में करीब 20 लोग घायल बताए जा रहे हैं। घटना की पुष्टि शिवगंगा जिले के पुलिस अधीक्षक शिवा प्रसाद ने की। पुलिस ने बताया कि एक बस कराईकुडी जा रही थी, जबकि दूसरी मदुरै की तरफ जा रही थी, तभी थिरुपथुर के पास दोनों बसों की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर लगने से कई यात्री गाड़ियों के अंदर फंस गए, जिन्हे स्थानीय लोगों की मदद से बाहर निकाला गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। जिला पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना कराईकुडी से लगभग 15 किलोमीटर दूर हुई। मारे गए सभी 11 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इनमें आठ महिलाएं, दो पुरुष और एक बच्चा शामिल हैं। वहीं, 20 से अधिक घायलों को इलाज के लिए सरकारी अस्पतालों में भेजा गया। अधिकारी ने कहा कि टक्कर का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। घटना पर मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने दुख जताया। उन्होंने कहा कि जिला कलेक्टर और जिले के इंचार्ज मंत्री केआर पेरियाकरुप्पन को प्रभावित लोगों की हर तरह से मदद करने और घायलों का सही इलाज करने का निर्देश दिया है।

शीतकालीन सत्र में सरकार को घेरने की तैयारी में कांग्रेस

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने रविवार शाम को कांग्रेस संसदीय दल की चेयरपर्सन सोनिया गांधी के घर पर बैठक की और सोमवार से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र के लिए पार्टी की रणनीति पर चर्चा की। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी मौजूद थे। बैठक में नेताओं ने चुनाव सुधारों पर चर्चा की मांग उठाने का फैसला किया है, जिसमें एसआईआर शामिल होगा।राज्यसभा में कांग्रेस के उपनेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि विपक्षी नेता सोमवार को सुबह 10 बजे राज्यसभा में विपक्ष के नेता खरगे के ऑफिस में मिलकर संसद में अपनी साझा रणनीति बनाएंगे। उन्होंने कहा कि एक सर्वदलीय बैठक हुई और फिर राज्यसभा की बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की भी मीटिंग हुई। उन्होंने कहा कि पूरे विपक्ष के विचारों पर विचार करने के बाद, संसदीय मामलों के मंत्री ने संकेत दिया है कि चुनाव सुधारों पर चर्चा हो सकती है।तिवारी ने कहा, पूरा विपक्ष चाहता है कि चुनाव सुधारों पर चर्चा हो, क्योंकि ऐसी चर्चा पहले भी हुई है। यह हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है।उन्होंने कहा, हमारा रुख साफ है। विपक्ष की चिंताओं को देखते हुए संसदीय मामलों के मंत्री ने संकेत दिया था कि वे चुनाव सुधारों पर चर्चा करने पर विचार करेंगे। कांग्रेस नेता ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर चर्चा करने की जरूरत है क्योंकि लाल किला अब सुरक्षित नहीं है क्योंकि वहां आतंकवादी पहुंच रहे हैं।

छात्रों की गहरी रुचि को आकर्षित किया है, अब 1 साल का कार्यक्रम होगा

सेना युवाओं के लिए शुरू करेगी इंटर्नशिप प्रोग्राम

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय सेना युवाओं के लिए खास इंटर्नशिप प्रोग्राम लाने जा रही है जो कि अपनी तरह का एक अनूठा कार्यक्रम है। इस इंटर्नशिप प्रोग्राम के तहत युवाओं को तकनीक, साइबर कौशल, एआई और ड्रोन जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में सेना के साथ काम करने का अवसर मिलेगा। उप-सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राकेश कपूर ने कहा कि सेनाइंटर्नशिप कार्यक्रम देश के युवाओं को तकनीक (साइबर, एआई, ड्रोन आदि), जनसंचार और लेखा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में लाभकारी तरीके से अपनी सेना के साथ काम करने का अवसर प्रदान करने का एक प्रयास है।भारतीय सेना युवाओं को एक अनूठा इंटर्नशिप कार्यक्रम दे रही है। इसके तहत युवा सेना के साथ तकनीक, साइबर, एआई और ड्रोन जैसे क्षेत्रों में काम कर सकेंगे। उप-सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राकेश कपूर ने बताया कि यह कार्यक्रम युवाओं को सेना से जुड़ने का अवसर देगा।

नागरिक-सैनिकों के बीच समन्यवय बनाने का एक प्रोग्राम

सैन्य अधिकारी ने कहा कि यह प्रोग्राम सेना के विस्तारित नागरिक-सैनिकों के बीच समन्यवय बनाने का एक हिस्सा है, जिसके तहत वह शैक्षणिक संस्थानों, स्टार्ट-अप्स और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी निकायों के साथ घनिष्ठ सहयोग में काम करती है। इसका उद्देश्य साझा नवाचार और संसाधन अनुकूलन के माध्यम से भारत की सुरक्षा को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि दिसंबर 2024 में सीओएएस द्वारा उद्घाटन किए गए एआई रिसर्च एंड इनक्यूबेशन सेंटर का उद्देश्य सेना में प्रौद्योगिकी संचार के केंद्र में एआई को लाना है।

प्रखंड के एक ऐसा गांव जहां अब भी जिंदा है प्राचीन सभ्यता

- **रामपुर की पदमावती देवी ढेका पर कुटती हैं धान, चूड़ा और तीसी की भी करती है कुटाई**

केशव टाइम्स, विशेष

पीके बादल/केसठ

आधुनिकता की तेज रफ्तार के बीच जहां गांवों में परंपरागत जीवनशैली तेजी से विलुप्त होती जा रही है, वहीं केसठ प्रखंड का रामपुर गांव आज भी अपनी प्राचीन संस्कृति और विरासत को संजोए हुए है। इस गांव में 60 वर्षीय पदमावती देवी आज भी परंपरागत ढेका का उपयोग कर धान कुटाई, चूड़ा कुटाई, तीसी कुटाई समेत कई घरेलू कार्य करती हैं। यह दृश्य किसी जीवंत संग्रहालय, किसी लोक संस्कृति के जीवित उदाहरण जैसा प्रतीत होता है।

पदमावती देवी बताती हैं कि जब वह इस घर में ब्याह कर आई थीं, तभी से उन्होंने ढेका का उपयोग होते देखा है। उनके अनुसार, यह ढेका लगभग 150 वर्षों से उनके परिवार की विरासत का हिस्सा रहा है। वह गर्व के साथ कहती हैं, मुझे खुशी है कि मैं अपने पूर्वजों के संस्कार और परंपरा को आज भी संभाल कर रखी हूं। समय बदल गया, साधन बदल गए, लेकिन ढेका की आवाज आज भी हमारे आंगन में गूंजती है।

गांव की बुजुर्ग महिलाओं के लिए भी पदमावती देवी का आंगन किसी सांस्कृतिक केंद्र से कम नहीं है। आस पास की पड़ोस की महिलाएं अक्सर उनके घर आती हैं और ढेका का उपयोग करती हैं। लीलावती देवी, जो गांव की बुजुर्ग महिलाओं में से एक हैं, बताती हैं, हमारे क्षेत्र में अब ढेका कहीं नहीं बचा है। केवल पदमावती देवी के घर ही यह विरासत जिंदा है। यह सिर्फ एक लकड़ी का औजार नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति की पहचान है। ढेका, जो प्राचीन समय से धान, दाल, तीसी, और चूड़ा कुटाई का प्रमुख साधन रहा है, आज मशीनों और मिक्सर ग्राइंडरों के दौर में पूरी तरह से गायब होता जा रहा है। गांव के वरिष्ठ लोग बताते हैं कि शुरूआती समय में हर घर के आंगन में ढेका हुआ करता था। महिलाएं सामूहिक रूप से बैठकर कुटाई करती थीं, जिससे आपसी मेल-जोल, सामुदायिकता और परंपरा कायम रहती थी। लेकिन बदलते समय में यह धरोहर घरों से गायब होती चली गई। आज यह केवल कुछ ही परिवारों में देखने को मिलता है।

पदमावती देवी के पुत्र सोनू तिवारी, जो प्रखंड में युवा किसान और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में जाने जाते हैं, कहते हैं, आज दुनिया आधुनिक संसाधनों की ओर बढ़ चुकी है, लेकिन मेरी मां ने जिस तरह इस परंपरा को संभाला है, वह प्रेरणादायक है। मेरा भी पूरा प्रयास रहेगा कि इस ढेका को आगे की पीढ़ियों तक सुरक्षित रख सकूं।

सोनू तिवारी बताते हैं कि कई लोग उनके घर आकर ढेका देखकर आश्चर्य करते हैं। कुछ तो इसे पहली बार देखते हैं और इसके उपयोग के तरीके जानने के लिए उत्सुक रहते हैं। उनका कहना है कि यदि इस तरह की प्राचीन घरेलू तकनीकें संरक्षित की जाएं, तो यह आने वाली पीढ़ियों को अपनी संस्कृति से जोड़ने का काम कर सकती हैं। गांव के बुजुर्ग बताते हैं कि ढेका केवल एक औजार नहीं है यह समय की वह आवाज है, जिसमें परंपरा, मेहनत, संस्कृति और ग्रामीण जीवन का संगीत मिला हुआ है। आज जब ग्रामीण परिवेश तेजी से बदल रहा है, ऐसे में रामपुर गांव की यह धरोहर समाज के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश देती है कि आधुनिकता अपनाते हुए भी सांस्कृतिक जड़ों को बचाकर रखा जा सकता है। पदमावती देवी और उनके घर का यह ढेका आज भी इस इलाके में प्राचीन सभ्यता की सांसें संजोए हुए है एक ऐसी विरासत जिसे देखकर गांव वाले गर्व महसूस करते हैं।

कैश लोड के कुछ घंटे बाद ही घटना, शटर बिना लॉक, कैमरों पर स्प्रे कर अपराधियों ने पूरा प्लान किया पूरा

एटीएम को गैस कटर से काटकर लाखों की चोरी, बैंक-पुलिस की लापरवाही उजागर

केटी न्यूज/चौसा

मुफस्सिल थाना क्षेत्र के अखौरीपुर गोला स्थित मुख्य मार्ग पर लगे एसबीआई एटीएम से शनिवार की देर रात हुई बड़ी चोरी ने बैंक और पुलिस प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है। घटना ताजा कैश लोडिंग के चंद घंटे बाद ही अंजाम दी गई, जिससे साफ है कि अपराधियों ने पूरी तैयारी और स्थानीय खामियों की जानकारी के साथ वारदात को अंजाम दिया। रविवार सुबह एक युवक पैसा निकालने एटीएम पहुँचा तो टूटा हुआ ढांचा और बिखरे अवशेष देखकर उसके होश उड़ गए। युवक ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस और मकान मालिक को दी। बताया गया कि शनिवार शाम करीब सात बजे एटीएम में कैश लोड किया गया था। पुलिस ने प्रारंभिक जानकारी में लोडर के हवाले से बताया कि एटीएम में लगभग 28 लाख रुपये डाले गए थे। हालांकि, चोरी की सटीक राशि बैंक की ऑडिट रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुँच गई और जांच शुरू कर दी। एफएसएल टीम को बुलाकर एटीएम के

अवशेष और आसपास के तकनीकी साक्ष्य जुटाए गए। साथ ही, आसपास के निजी प्रतिष्ठानों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। जांच के दौरान पता चला कि अपराधियों ने पहले एटीएम के अंदर व बाहर लगे कैमरों पर कलर स्प्रे किया और फिर गैस कटर से मशीन को काटकर भीतर रखी पूरी नगदी निकाल ली। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएसपी गौरव कुमार भी स्थल का निरीक्षण करने पहुँचे। प्रभारी थाना अध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर अपराधियों की पहचान की जा रही है और कई महत्वपूर्ण सुराग हाथ लगे हैं।इधर, जिस मकान में एटीएम लगा हुआ है, उसके मालिक संतोष चौरसिया ने एक चौंकाने वाला दावा किया है। उनके अनुसार, लंबे समय से एटीएम का शटर बिना लॉक के ही चल रहा था। इस खामी की जानकारी उन्होंने कई बार बैंक को दी, लेकिन सुधार नहीं किया गया। लोकल लोगों के अनुसार, बैंक और पुलिस की इसी उदासीनता का लाभ उठाकर अपराधियों ने पूरी वारदात को बेहद सहज तरीके से अंजाम दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में गश्ती की कमी, एटीएम की निगरानी में ढिलाई और सुरक्षा मानकों की अनदेखी से अपराधियों के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। ताजा घटना ने न सिर्फ सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि यह भी खुलासा कर दिया कि बैंक की लापरवाही से कैसे जनता की मेहनत की कमाई जोखिम में पड़ती जा रही है। पुलिस फिलहाल तकनीकी जांच में जुटी है, लेकिन लोगों में रोष है कि यदि सुरक्षा प्रबंध समय पर सुधारे जाते, तो इतनी बड़ी वारदात को रोका जा सकता था। घटना ने फिर साबित कर दिया कि सुरक्षात्मक इंतजामों में थोड़ी-सी ढिलाई भी अपराधियों के लिए सुनहरा अवसर बन जाती है।

डुमरांव नगर परिषद के वार्ड 11 में एक साल के अंदर टूटी आरसीसी सड़क जर्जर, जांच की उठी मांग

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 11 के बाबा नगर में सड़क निर्माण में अनियमितता का गंभीर मामला सामने आया है। डीके कॉलेज मेन रोड से नागेंद्र भारती के घर होते हुए सुभाष पाठक के आवास तक तथा शिवचन्द साह के घर के आगे तक मिट्टी भराई एवं पीसीसी सड़क निर्माण की योजना स्वीकृत हुई थी। इसके लिए कुल 8,68,362 रुपये की प्राक्कलित राशि निर्धारित की गई थी। नगर परिषद द्वारा पिछले वर्ष नवंबर में इस सड़क का निर्माण कार्य पूरा करा दिया गया था, लेकिन मात्र एक वर्ष के भीतर ही सड़क की स्थिति पूरी तरह से खराब हो चुकी है। स्थानीय निवासियों के अनुसार सड़क कई स्थानों पर उखड़ गई है और पीसीसी परत टूटने से आने-जाने में भारी परेशानी हो रही है। लोगों ने बताया कि निर्माण के बाद शुरूआती महीनों में ही सड़क में दरारें दिखने लगी थीं। लोगों का आरोप है कि निर्माण के दौरान घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया, जिसके कारण सड़क ने एक साल भी नहीं टिक पाया। क्षेत्रवासियों ने इस संदर्भ में नगर परिषद से मांग की है कि उचित तकनीकी निरीक्षण कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए। लोगों का कहना है कि सरकारी धन की बबार्दी और गैर-मानक निर्माण कार्य को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने मांग की है कि तत्काल सड़क की जांच कराकर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पुनर्निर्माण कराया जाए ताकि आवागमन सुगम हो सके। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे। फिलहाल सड़क की बदहाली से वार्ड 11 के लोग परेशान हैं और नगर परिषद से जल्द समाधान की उम्मीद कर रहे हैं।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः- सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

पीसीसी रोड का गुणवत्तापूर्ण काम नहीं होने से लोगों में आक्रोश, उच्च स्तरीय जांच की उठी मांग

केटी न्यूज/डुमरांव

नया थाना रोड मोड़ से शक्तिद्वार तक 55 लाख की राशि से पीसीसी रोड का निर्माण हो रहा है। विधान सभा में आचार संहिता लागू होने से पहले रोड बनाने का काम शुरू हुआ था। आचार चुनाव संहिता लागू हो जाने के कारण रोड निर्माण का कार्य रोक दिया गया था। उस समय रोड बना रहे संवेदक ने नियम के अनुसार पूर्व के रोड को उखाड़कर फिर उस पर पीसीसी ढलाई किया जा रहा था। आधा-अधूरा बने रोड को चुनाव बाद फिर बनाने का काम शुरू किया गया है। इसबार संवेदक द्वारा पूर्व के के बने रोड के उपर ही पीसीसी रोड बनाने का काम शुरू कर दिया गया है। गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं होने और पूर्व के रोड पर ही ढलाई कर दिये जाने को लेकर मोहल्ले के लोगों ने इसकी शिकायत करना शुरू कर दिया है। मिल रही शिकायत पर जदयू के नगर अध्यक्ष गोपाल प्रसाद गुप्ता और फुटपाथी संघ के अध्यक्ष मिंटू हाशमी साइट पर जाकर देखा। देखने के बाद लोगों की शिकायत सही पाते हुए संवेदक से सही काम कराने की बात कही। यह भी शिकायत थी की प्राक्कलन के अनुसार छह इंच मोटी ढलाई होनी चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं कर तीन से चार इंच किया जा रहा था। इसको लेकर मोहल्ले के लोगों में काफी आक्रोश है। गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं होने को लेकर कभी भी काम को रोक जांच कराने के बाद ही काम शुरू करने की बात लोग कर रहे थे। इधर जदयू के नगर और फुटपाथी संघ के अध्यक्ष ने इसकी शिकायत एसडीओ, डीएम के साथ विधायक राहुल सिंह से करने की बात कही है।

रामपुर दक्षिणी में धान कटनी ने पकड़ी रफ्तार प्रगतिशील किसान कर रहे आधुनिक तकनीक से कटाई

सरकारी खरीद में देरी और अवैध कब्जों से किसान चिंतित

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड के रामपुर दक्षिणी इलाका वर्षों से धान का कटोरा के नाम से जाना जाता है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इन दिनों क्षेत्र में धान की कटनी जोर पकड़ चुकी है। प्रखंड के रामपुर गांव के प्रगतिशील किसान एवं भाजपा नेता सोनू तिवारी अपने 10 एकड़ खेत में तैयार धान की फसल की कटाई हार्वेस्टर मशीन से करा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस वर्ष फसल की पैदावार संतोषजनक रही है। उन्होंने ने बताया कि पूर्व में हुई बेमौसम बारिश ने कुछ खेतों को नुकसान पहुंचाया था, लेकिन अधिकांश क्षेत्रों में फसल अच्छी हुई है। इसके बावजूद, अभी तक सरकारी

स्तर पर धान की खरीदारी शुरू नहीं होने से किसानों में सही मूल्य को लेकर निराशा बढ़ने लगी है।उन्होंने किसानों के सामने मौजूद अन्य समस्याओं की ओर भी ध्यान आकर्षित किया।उन्होंने बताया कि सरकारी सर्वे और चकबंदी में निकले रास्तों पर अवैध कब्जे होने से खेतों तक पहुंचना मुश्किल हो गया है। वहीं कृषि कार्य के लिए आवश्यक ट्रांसफार्मर की कमी से किसानों को लगातार बिजली समस्या का सामना करना पड़ रहा है। वन्यजीवों द्वारा फसलों को नुकसान भी किसानों की एक बड़ी चिंता है। कहा कि नीलगाय और हिरण जैसे जानवर रात में खेतों का काफी नुकसान कर देते हैं, जिससे किसानों की मेहनत पर पानी फिर जाता है। इन चुनौतियों के बीच उन्होंने केंद्र की मोदी सरकार और बिहार की डबल इंजन सरकार की किसान हितैषी योजनाओं की सराहना भी की।उन्होंने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार कई महत्वपूर्ण कदम उठा रही है, लेकिन जमीनी स्तर की समस्याओं का समाधान भी उतना ही आवश्यक है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय पर सरकारी खरीद शुरू हो जाए और अवैध कब्जों को हटाने के साथ बिजली व्यवस्था सुधारी जाए, तो किसानों को काफी राहत मिलेगी।

बदहाल पड़ा है राज हाई स्कूल का ऐतिहासिक खेल मैदान, बंद पड़ी है खेल-कूद की गतिविधियां

- **मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के दौरान जलनिकासी के लिए मैदान के बीचोबीच खोदा गया था नाला, चारों तरफ गड्ढे व रोड़े से बढ़ी परेशानी**
- **अनुमंडल का सबसे बड़ा खेल मैदान में है शुमार, पूर्व भारतीय कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी भी अजमा चुके है हाथ**

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव स्थित राज हाई स्कूल का खेल मैदान अनुमंडल का सबसे बड़ा खेल मैदान है। जहां, हर साल कई बड़ी खेल प्रतियोगिताएं होती है। वहीं, हर दिन यहां सैकड़ो युवा व किशोर, क्रिकेट व फुटबॉल की प्रैक्टिस करने आते है। इसके अलावे सुबह शाम मार्निंग वॉक करने वाले बुजुर्गों, महिलाओं तथा सेना में बहाली की तैयारी करने वाले युवाओं का जमघट लगता है। लेकिन, पिछले कुछ महीनो से इस मैदान में ऐसी गतिविधियां थम सी गई है। बता दें कि मैदान बदहाल हो चुका है तथा इसमें चारों तरफ बड़े-बड़े गड्ढे उभर आए है। जिस कारण यहां खेल या दौड़ की प्रैक्टिस करने वाले युवाओं के साथ ही मार्निग वाक करने आने वाले बुजुर्गो व महिलाओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मैदान में गड्ढें उभरने तथा चारों तरफ रोड़े बिखरने से खिलाड़ियों के चोटिल होने का खतरा बढ़ गया है। जिस कारण खिलाड़ी इस मैदान में प्रैक्टिस करने से कतरा रहे है। बता दें कि छठ के आस पास हुई जोरदार बारिश से मैदान में जलजमाव हो गया था। वहीं, कुछ दिनों के बाद इस मैदान में सूबे के मुखिया नीतीश कुमार एक चुनावी सभा को संबोधित करने आए थे। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर स्थानीय प्रशासन द्वारा आनन-फानन में जलनिकासी करवाई गई थी। इस दौरान मैदान के बीचोबीच एक कच्चा नाला खोदा गया था, जबकि एक किनारे हेलीपैड बनवाया गया था, लेकिन मुख्यमंत्री के जाने के बाद इस मैदान में बनाए गए कच्चे नाले की न तो मरम्मत की गई और न ही हेलीपैड बनाने के लिए डाले गए ईंट को हटाया गया। जिस कारण मैदान पहले से अधिक खराब हो गया है। इसको लेकर स्थानीय खेल प्रेमियों तथा खिलाड़ियो में गहरा आक्रोश है। जदयू नगर अध्यक्ष सह खेलप्रेमी गोपाल प्रसाद गुप्ता, क्रिकेट खिलाड़ी अभिषेक ओझा आदि ने इस खेल मैदान को समतल कर इसे खेलने योग्य बनाने की मांग स्थानीय प्रशासन से की है।

गौरवशाली रहा है इतिहास, महेन्द्र सिंह धोनी भी अजमा चुके है हाथ

बता दें कि इस खेल मैदान का इतिहास काफी गौरवशाली रहा है तथा पिछले एक शताब्दी से इस मैदान ने कई खेल प्रतिभाओं को निखारने का काम किया है। बता दें कि इसे खेल मैदान में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी भी हाथ अजमा चुके है। इसके अलावे क्रिकेट, बालीबॉल व फुटबॉल जैसे लोकप्रिय खेल की प्रतिभाएं इस मैदान में प्रैक्टिस कर राज्य स्तर तक नाम कमा चुके है। मैदान की वर्तमान हालत देख पूर्व खिलाड़ियों में गहरा आक्रोश है।

इस साल नहीं आयोजित हो रही है कई खेल प्रतियोगिताएं

राज हाई स्कूल के खेल मैदान की बदहाली का आलम है कि इस वर्ष कई बड़ी खेल प्रतियोगिताएं स्थगित कर दी गई है। मैदान की हालत को देखते हुए आयोजकों ने हाथ खड़े कर दिए है। जिन प्रतियोगिताओं को इस वर्ष स्थगित किया गया है, उनमें शहीद आईपीएस शहीद रविकांत सिंह स्मृति अंतर्राज्जीय क्रिकेट प्रतियोगिता तथा फुटबॉल प्रतियोगिताएं शामिल है।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएंः
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

महंगाई ने बदला शादी का ट्रेंड, मंदिरों में बढ़ रही सिंपल वेडिंग की लोकप्रियता

- **खर्च में कटौती और भगवान की साक्षी में लिए जा रहे सात फेरे, प्रतिदिन हो रहीं 4, 5 शादियां**

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव में इन दिनों लग्न सीजन ने रौनक तो बढ़ाई है, पर महंगाई ने शादी-ब्याह के तौर-तरीकों में बड़ा बदलाव ला दिया है। बढ़े हुए खर्च, दिखावे की परंपरा और तैयारियों की जद्दोजहद से बचने के लिए निम्न व मध्यमवर्गीय परिवार अब मंदिरों में सादगीपूर्ण विवाह का विकल्प चुन रहे हैं। शहर के काली मंदिर, डुमरेजनी मंदिर और बाबा जंगलीनाथ महादेव मंदिर में प्रतिदिन चार से पांच शादियां धूमधाम से नहीं, बल्कि सादगी के साथ सम्पन्न हो रही हैं।

वर-वधू के परिवार भगवान को साक्षी मानकर सात फेरे लेते हैं और कुछ गिने-चुने रिश्तेदारों की मौजूदगी में शादी के सभी रस्मों को निपटा लेते हैं। इससे न केवल फिजूलखर्ची से राहत मिलती है, बल्कि दिनभर में विवाह विधि पूरी कर परिवारजन अपने-अपने घर लौट जाते हैं।

महंगाई ने इस बार लोगों की जेब पर गहरा असर डाला है। सामानों की खरीदारी हो या टेंट-बाजा की बुकिंग, हर जगह दामों में भारी वृद्धि देखी जा रही है। सोना-चांदी के जेवरातों की कीमतें पिछले साल की तुलना में काफी उछल गई हैं, जिससे कन्या पक्ष के अरमानों पर पानी फिर रहा है। मौर, सिंहोरा और अन्य पारंपरिक विवाह सामग्री तक महंगी हो गई हैं। बारातियों की आवभगत में कटौती करने की सोच से कई परिवार असहज महसूस कर रहे हैं, वहीं रिश्तेदारों की खरीदारी को लेकर वर पक्ष भी चिंतित है।

डुमरांव मंडी में लग्न के दिनों में चहल-पहल तो है, पर जरूरी वस्तुओं के दाम सुनकर कई खरीदार खरीदारी से कतराते दिखे। टेंट, सामियाना, होटल, गाड़ी, सजावट और बैंड-बाजा तक के रेट में बेतहाशा वृद्धि ने परिवारों की चिंता और बढ़ा दी है। खाद्य सामग्री और सब्जियों की कीमतें तक आम लोगों की पहुंच से बाहर होती जा रही हैं।

यही कारण है कि गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों में मंदिर विवाह की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है। राम चौधरी, मीना देवी और मनोज राजभर जैसे कई लोगों ने बताया कि पहले की तुलना में शादी का खर्च कई गुना बढ़ गया है। सबकी खातिरदारी करना मुश्किल हो गया है, इसलिए वर पक्ष के परामर्श से मंदिर में शादी करने का निर्णय लिया गया।

डुमरेजनी मंदिर में शनिवार को बेटी की शादी कर चुके सरोज राम बताते हैं कि मंदिर में सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं। वर पक्ष ने भी इस सादगीपूर्ण विवाह पर सहमति जताई है, जिससे बिना तनाव के विवाह संपन्न हो गया।

महंगाई के इस दौर में मंदिरों में होने वाली सादगीपूर्ण शादियां न केवल लोगों को खर्च से राहत दे रही हैं, बल्कि सामाजिक रूप से एक सकारात्मक संदेश भी दे रही हैं कि शादी प्रेम, विश्वास और सरलता का बंधन है, दिखावे का नहीं।

बोले ग्रामीण सांस सुरक्षित नहीं तो काम नहीं, पिछले साढ़े तीन महीने से हो रहा है खुले में कोयला डंपिंग, बढ़ी बीमारियों की आशंका

बक्सर के चौसा में कोयला डस्ट का कहर ग्रामीणों ने ठप कराया लोडिंग-अनलोडिंग

केटी न्यूज/बक्सर

चौसा में कोयला डंप यार्ड से उड़ रही कोयला धूल ने रविवार को ग्रामीणों का गुस्सा इस कदर भड़का दिया कि सैकड़ों लोगों ने रेल यार्ड पहुंचकर कोयला लोडिंग-अनलोडिंग पूरी तरह बंद करा दी। पिछले साढ़े तीन महीने से खुले में कोयला डंपिंग के कारण आसपास की बस्तियों पर काला धुआं और महीन डस्ट की मोटी परत जमती जा रही है, लेकिन रोकथाम के नाम पर कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाने से ग्रामीणों का सब्र जवाब दे गया।

ग्रामीणों का कहना है कि कोयला डस्ट की वजह से चौसा, अखौरीपुर गोला, नारायणपुर सहित कई गांवों में रहना मुश्किल हो गया है। हवा में घुली कोयला धूल से बच्चों व बुजुर्गों में सांस संबंधी दिक्कतें तेजी से बढ़ रही हैं। घरों में खाना बनाना तक दूभर है। लोग बताते हैं कि कपड़े सुखाना, घर की सफाई, पीने के पानी की सुरक्षा, सबकुछ चुनौती बन गया है। नारायणपुर के राकेश उपाध्याय का कहना था कि कई बार शिकायत करने के बावजूद प्रशासन और कंपनी की ओर से सिर्फ आश्वासन मिला, समाधान नहीं। कपड़े, खाना, बर्तन, घर की दीवारें, सब कोयले से काले पड़ जाते हैं।

अखौरीपुर गोला निवासी और चिकित्सक डॉ. विनोद सिंह, जिनका घर और अस्पताल डंपिंग स्थल से महज 50 फीट की दूरी पर है, ने कहा कि वे लगभग 80 प्रतिशत प्रदूषण के बीच जीने को मजबूर हैं। उन्होंने बताया कि मरीजों की संख्या बढ़ रही है, खासकर खांसी, एलर्जी और सांस संबंधी दिक्कत वाले लोग ज्यादा पहुंच रहे हैं। नगर पंचायत क्षेत्र में होने के बावजूद न तो नियमित स्प्रिंकलिंग हो रही और न ही डस्ट कंट्रोल की ठोस व्यवस्था दिख रही है। रविवार को जब ग्रामीणों ने यार्ड में चल रहे लोडिंग-अनलोडिंग को रोक दिया, सूचना मिलते ही थर्मल पावर प्लांट के अधिकारी और सुरक्षा कर्मी मौके पर पहुंचे। प्रगति इंडियंस रोड लाइन के इंचार्ज रवि कांत मिश्रा ने कहा कि अब बड़े टैंकर से नियमित स्प्रिंकलिंग कराई जाएगी ताकि डस्ट को नियंत्रित किया जा सके। ग्रामीणों ने अधिकारियों को साफ चेतावनी दी कि कागजों में नहीं, जमीन पर दिखने वाली कार्रवाई होने पर ही काम दोबारा शुरू होगा। ज्ञात हो कि हजारीबाग से कोयला ट्रेन द्वारा चौसा यार्ड लाया जाता है और यहां से ट्रकों के माध्यम से 1,320 मेगावॉट एसजेवीएन बक्सर थर्मल प्लांट तक भेजा जाता है। इसी प्रक्रिया से उठने वाली धूल ने क्षेत्र को बीते महीनों में प्रदूषण की चपेट में ला दिया है। कई ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कोयले के ढेर खुले में पड़े रहते हैं, उन्हें ढकने या नियमित पानी छिड़काव करने की व्यवस्था नहीं होने से हवा में महीन कण लगातार फैलते रहते हैं। ग्रामीणों ने कहा कि यह लड़ाई ह्लसुविधाह्व या ह्लसुविधा बढ़ानेह्व की नहीं, बल्कि ह्लअस्तित्व और स्वास्थ्य की रक्षाह्व की है। उनका स्पष्ट कहना है कि कोयला डस्ट से राहत मिलने और स्थायी समाधान लागू होने तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा और उच्च प्रशासन तक बात पहुंचाई जाएगी।

ग्रामीणों की एकजुटता और गुस्से ने साफ कर दिया है कि चौसा में अब सिर्फ आश्वासन नहीं, बल्कि पुख्ता व्यवस्था और जिम्मेदार कार्रवाई की मांग है। जब तक सांस सुरक्षित नहीं होगी, कोयले का कोई काम आगे नहीं बढ़ेगाकृयह संदेश ग्रामीणों ने पूरे सिस्टम को दे दिया है।

एक नजर

डुमरांव डीके कॉलेज में परीक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल, ओएमआर शीट का वीडियो वायरल होने से शिक्षा विभाग में हड़कंप

डुमरांव। डुमरांव के डीके कॉलेज में स्नातक परीक्षा के दौरान गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है, जिसने पूरे शिक्षा विभाग की परीक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सूत्रों के अनुसार महाविद्यालय में परीक्षा दे रही एक छात्रा ने अपने उत्तर पुस्तिका की ओएमआर शीट का वीडियो बनाकर अपनी बहन को भेज दिया। इसी वीडियो को छात्रा के बहनोई द्वारा शिक्षा विभाग के शिक्षा सचिव एनके अग्रवाल को मेल कर दिया गया। मेल के माध्यम से उन्होंने कॉलेज में परीक्षा के दौरान हो रही खुली छूट और लापरवाही की पूरी जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा कि परीक्षा में बिना रोक-टोक नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। साथ ही चेतावनी दी कि यदि इस वीडियो पर कार्रवाई नहीं हुई, तो वह उच्च स्तर पर भी इसकी शिकायत करेंगे। वीडियो वायरल होने के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया। छात्रा ने वीडियो भेजने से पहले अपनी ओएमआर शीट पर रोल नंबर को व्हाइटनर से छुपाने की कोशिश की थी, ताकि उसकी पहचान उजागर न हो सके। लेकिन उत्तर पुस्तिका नंबर के आधार पर विभाग ने छात्रा की पूरी जानकारी प्राप्त कर ली। छात्रा कोचस की रहने वाली नंदिनी सिंह बताई जा रही है। इस खुलासे ने परीक्षा केंद्र की सुरक्षा व्यवस्था, निगरानी प्रणाली और परीक्षा अनुशासन की वास्तविकता को सामने ला दिया है। मामला सामने आते ही शिक्षा सचिव ने डुमरांव डीके कॉलेज के केंद्राधीक्षक और नियंत्रक से तत्काल स्पष्टीकरण मांगा है। विभागीय स्तर पर इसे परीक्षा नियमों का खुला उल्लंघन और प्रशासनिक लापरवाही का गंभीर मामला माना जा रहा है। बीते मंगलवार को वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के कुलसचिव राम कृष्ण ठाकर और परीक्षा नियंत्रक अनवर इमाम स्वयं कॉलेज पहुंचे और प्रारंभिक जांच की। हालांकि जांच टीम ने अभी तक किसी भी निष्कर्ष के बारे में खुलकर कुछ कहने से इंकार किया है। स्थानीय स्तर पर यह घटना परीक्षा व्यवस्था की जमीनी हकीकत दशार्ती है। परीक्षा केंद्र में मोबाइल फोन ले जाना प्रतिबंधित है, बावजूद इसके छात्रा द्वारा खुलेआम वीडियो बनाना इस बात का प्रमाण है कि निगरानी व्यवस्था बिल्कुल ढीली थी। इस संबंध में प्राचार्य प्रो. वीणा कुमारी ने बताया कि यह मामला अब पुराना पड़ चुका है। वीडियो वायरल करने वाली छात्रा को रेस्टिकेट कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि कॉलेज की व्यवस्था को काफी दुरूस्त रखा जा रहा है।

प्यार के बहाने रची खौफनाक साजिश, खंडहर में नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म, तीन लोग गिरफ्तार, एक फरार

केटी न्यूज/बक्सर

शहर में एक नाबालिग लड़की को प्रेम-प्रसंग के नाम पर झांसा देकर खौफनाक वारदात का शिकार बनाने का मामला सामने आया है। घटना ने पूरे इलाके को दहला दिया है। जानकारी के मुताबिक कृष्णा नगर मोहल्ले का रहने वाला प्रिंस कुमार सोशल मीडिया पर एक नाबालिग लड़की से संपर्क में था। ऑनलाइन बातचीत के सहारे उसने लड़की को विश्वास में लिया और मिलने के बहाने प्रेमचंद पथ स्थित नहर कॉलोनी रोड पर बुलाया।

लड़की जैसे ही तय जगह पर पहुंची, वहां पहले से ही प्रिंस के साथ उसके तीन दोस्त भी मौजूद थे। चारों युवकों ने मिलकर उसके साथ जबरन पकड़-धकड़ की और उसे कॉलोनी के एक सुनसान, खंडहरनुमा मकान में ले गए। आरोप है कि वहां पीड़िता के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घिनौनी घटना को अंजाम दिया गया। घटना के बाद सदमे की हालत में लड़की किसी तरह घर पहुंची और परिजनों को पूरी आपबीती सुनाई। परिजन तुरंत टाउन थाना पहुंचे और चारों आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई।

नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने कहा, मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस तुरंत सक्रिय हो गई। टाउन पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी प्रिंस कुमार के साथ उसके दो साथियों साजिश यादव और मुन्ना तिवारी को दबोच लिया। पीड़िता का मेडिकल परीक्षण सदर अस्पताल में कराया गया है। वहीं चौथा आरोपी अब भी फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार संभावित स्थलों पर छापेमारी कर रही है।

आज से डुमरांव में शुरू होगा सख्त अतिक्रमण हटाओ अभियान

- **फुटपाथ पर कब्जे से बढ़ती जाम की समस्या, प्रशासन की सख्ती से अतिक्रमणकारियों में हड़कंप**

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव शहर में अतिक्रमण का कहर इस कदर विकराल रूप ले चुका है कि आम नागरिकों का पैदल चलना तक दूभर हो गया है। मुख्य सड़कों के फुटपाथों पर दुकानों का जाल इस हद तक फैल गया है कि सड़कें संकरी हो गई हैं और रोजाना घंटों जाम से शहर जूझ रहा है। नगर प्रशासन को लगातार शिकायतें मिलती रहीं, परंतु कार्रवाई के अभाव में लोगों में नाराजगी बढ़ती गई। अब नागरिकों के बढ़ते दबाव और शहर की बिगड़ती व्यवस्था को देखते हुए नगर कार्यपालक पदाधिकारी (ईओ) राहुलधर दूबे ने सोमवार (1 दिसंबर) से सख्त अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाने की घोषणा की है।

फुटपाथ से सड़क तक कब्जा, हर दिन जाम से बेहाल शहर

बता दें कि शहर के स्टेशन रोड से लेकर ट्रेनिंग स्कूल तक फुटपाथ पूरी तरह कब्जे की चपेट में है। विष्णु मंदिर के पास से शुरू हुआ अतिक्रमण धीरे-धीरे आगे बढ़ते-बढ़ते सड़क के बड़े हिस्से को निगल चुका है। दुकानदार न केवल फुटपाथ, बल्कि सड़क के महत्वपूर्ण हिस्से पर भी कब्जा कर दुकानें सजा लेते हैं, जिससे वाहनों की आवाजाही बाधित होती है और रोज जाम लगना आम बात बन गई है।

नया थाना क्षेत्र में तो स्थिति और भी गंभीर है। सरकारी जमीन पर बहुमंजिला इमारतें खड़ी कर दी गई हैं, जबकि यही जमीन वेंडिंग जोन के लिए चयनित थी। शहरी विकास विभाग की ओर से 31 करोड़ रुपये भी स्वीकृत हुए थे, लेकिन न वेंडिंग जोन बना, न ही धन का उपयोग किस तरह हुआ इसकी स्पष्ट जानकारी सामने है। इस अव्यवस्था ने प्रशासनिक लापरवाही पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

शहर के प्रमुख मार्गों की हालत बदहाल

थाना से ट्रेनिंग स्कूल तक का पूरा मार्ग अतिक्रमण से पटा पड़ा है, जहां पैदल चलना तक मुश्किल है। पुराना थाना रोड से शहीद पार्क तक के फुटपाथ लगभग गायब हो चुके हैं। गोला रोड पर स्थिति सबसे चिंताजनक है, यहां दोनों ओर स्थायी दुकानदारों ने सड़क में तक कब्जा कर लिया है। खरीदारी करने आए लोगों को पार्किंग, पैदल मार्ग और आवागमन, सभी में परेशानी झेलनी पड़ती है। इसी तरह चौक रोड, जंगलबाजार रोड, राजगढ़ चौक, हाथीखाना रोड, छठिया पोखरा क्षेत्र, और गोशाला रोड भी अतिक्रमण के भारी दबाव में हैं। पूरा शहर मानो कब्जाधारियों की गिरफ्त में है। ईओ राहुलधर दूबे ने स्पष्ट किया है कि 1 दिसंबर से शहर के सभी मुख्य मार्गों पर बड़े स्तर पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई होगी। इसके लिए पुलिस बल के साथ अमीनों की टीम भी मौजूद रहेगी, ताकि वास्तविक सीमा नाप कर कब्जा हटाया जा सके।

सिमरी प्रखंड कार्यालयों में तालेबंदी से जनता बेहाल बदइंतजामी से थमे विकास कार्य, अधिकारी गायब

केटी न्यूज/सिमरी

सिमरी प्रखंड के सरकारी कार्यालयों में व्याप्त अव्यवस्था और तालेबंदी एक बार फिर चर्चा के केंद्र में है। महीनों से प्रखंड आपूर्ति कार्यालय, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी कार्यालय और श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी कार्यालय में ताला लटका हुआ है। नतीजतन दूर-दराज से आने वाली आम जनता अपने जरूरी कार्यों के लिए भटकने और लौटने को मजबूर है।

ग्रामीणों का साफ आरोप है कि अधिकारी अनियमित हैं और कार्यालयों की दुर्दशा विकास कार्यों में सीधा रोड़ा बन गई है।

-- साहब कब आते हैं, कब जाते हैं, पता ही नहीं

गायघाट पंचायत के भकुरा निवासी राजेंद्र पांडे समेत कई ग्रामीणों ने बताया कि वे अपने कार्यों के सिलसिले में प्रखंड मुख्यालय पहुंचते हैं, परंतु कार्यालय के मुख्य द्वार पर लटका ताला और चारों ओर की गंदगी उन्हें वापस लौटने पर मजबूर कर देती है।

ग्रामीण सिद्धि राम, रामदुलार राम, जयराम तथा शिवजी यादव का कहना है कि घंटों इंतजार के बाद भी कोई अधिकारी नजर नहीं आते। साहब के आने-जाने का कोई समय निर्धारित नहीं है।

-- कचरा, झाड़ियां और डर का माहौल

कार्यालय परिसर की हालत इतनी खराब है कि वह अब झाड़ियों से घिरे खंडहर जैसा दिखने लगा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि महीनों से सफाई नहीं होने के कारण परिसर सांप-बिच्छुओं का अड्डा बन गया है, जिससे अंदर प्रवेश करना भी जोखिमभरा हो गया है।

जनता का कहना है कि ऐसी बदइंतजामी न सिर्फ असुविधा पैदा कर रही है, बल्कि कई आवश्यक विकास योजनाएं भी ठप पड़ी हैं।

-- अधिकारियों के बयान में विरोधाभास

जब प्रखंड कल्याण पदाधिकारी एके आजाद से संपर्क की कोशिश की गई, तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। वहीं, विकास मित्र राजू कुमार ने दावा किया कि कार्यालय के सामने एक बड़ा पेड़ गिरा है, जिसकी सूचना अंचलाधिकारी को दी गई है।

लेकिन, अंचलाधिकारी भगवती शंकर पांडे का कहना है कि ऐसी कोई सूचना हमें प्राप्त नहीं हुई। दोनों अधिकारियों के विपरीत बयान प्रशासनिक लापरवाही को और उजागर करते हैं।

-- ग्रामीणों की मांग, तत्काल सफाई और नियमित कार्यालय संचालन

क्षेत्रवासियों ने संबंधित विभागों से मांग की है कि जल्द से जल्द सफाई अभियान चलाकर कार्यालयों को फिर से सुचारू रूप से खोला जाए।

लोगों का कहना है कि यदि स्थिति जल्द नहीं सुधरी, तो प्रखंड के विकास कार्य गंभीर रूप से प्रभावित होंगे।

सिमरी प्रखंड कार्यालयों की यह स्थिति सरकारी उदासीनता और जिम्मेदार अधिकारियों की मनमानी पर प्रश्नचिह्न खड़ा करती है। लोगों का स्पष्ट कहना है कि जब तक जवाबदेही तय नहीं होगी, तब तक विकास कार्यों का पटरी पर आना मुश्किल है।

बक्सर में साइबर ठगी का बड़ा अड्डा ध्वस्त, 18 ठग गिरफ्तार, लैपटॉप, मोबाइलों का जखीरा बरामद

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर पुलिस ने नगर थाना क्षेत्र के पीपी रोड स्थित आईसीआईसीआई बैंक के पास एक किराए के मकान में चल रहे बड़े साइबर ठगी गिरोह का पदार्फाश किया है। गुप्त सूचना के आधार पर 28 नवंबर 2025 को पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर नगर थाना और साइबर थाना की संयुक्त टीम का गठन किया गया। पुलिस उपाधीक्षक-बनउ-साइबर थानाध्यक्ष अविनाश कश्यप के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में दो कमरों से 18 साइबर ठगों को रंगे हाथों दबोच लिया गया। रविवार को एसपी शुभम आर्य ने प्रेस वार्ता आयोजित कर इसकी जानकारी दी।

ऑनलाइन गेम, सट्टा और मनी फ्रॉड का नेटवर्क चल रहा था

एसपी के अनुसार यह गिरोह विभिन्न राज्यों के युवकों को बुलाकर ऑनलाइन गेम, सट्टा और अन्य प्रकार के डिजिटल मनी फ्रॉड को बड़े पैमाने पर अंजाम देता था। तकनीकी साक्ष्यों और गुप्त निगरानी के आधार पर जब पुलिस ने मकान की घेराबंदी की, तो कमरे से लैपटॉप-मोबाइल पर फ्रॉड ऑपरेशन चलने के स्पष्ट सबूत मिले। पूरे मामले में साइबर थाना कांड संख्या-55/25 दर्ज कर तफ्तीश तेज कर दी गई है।

भारी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद

छापेमारी के दौरान पुलिस ने गिरोह से 05 लैपटॉप, 64 मोबाइल फोन, 25 सिम कार्ड, 82 एटीएम कार्ड, 09 पासबुक, 05 चेकबुक, 02 वाई-फाई राउटर, 13 रजिस्टर सहित कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए।

प्रज्ञा प्रवाह (चित्ति) के बैनर तले मासिक व्याख्यान कार्यक्रम का भव्य किया गया आयोजन

केटी न्यूज/रोहतास

नगर के वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय धारुपुर के प्रांगण में रविवार को प्रज्ञा प्रवाह (चित्ति) के बैनर तले मासिक व्याख्यान कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया । पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित इस कार्यक्रम में स्थानीय शिक्षाविदों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही । कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अंजबीत सिंह महाविद्यालय बिक्रमगंज के वनस्पति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ.कन्हैया सिंह थे ।कार्यक्रम की शुरूआत परंपरागत रूप से दीप प्रज्वलित कर की गई,जिसके बाद प्रज्ञा प्रवाह के पदाधिकारियों द्वारा मुख्य वक्ता

डॉ.कन्हैया सिंह को अंगवस्त्र से सम्मानित किया गया । उपस्थित श्रोताओं ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका स्वागत किया ।

अपने सारगर्भित संबोधन में डॉ. कन्हैया सिंह ने पर्यावरण असंतुलन को मानव जीवन के लिए गम्भीर खतरा बताते हुए कहा कि अंधाधुंध जंगलों की कटाई,बढ़ता प्रदूषण, अनियंत्रित औद्योगीकरण और जल स्त्रोतों का क्षरण आज मानव अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा संकट बन चुका है । उन्होंने कहा कि प्रकृति अपने संतुलन को बिगाड़े जाने का बदला सीधे मानव जीवन पर संकट के रूप में ले रही है। जलवायु परिवर्तन, अनियमित वर्षा,बढ़ता तापमान और प्राकृतिक आपदाएं इसी असंतुलन के चेतावनी संकेत हैं । डॉ.सिंह ने युवा पीढ़ी को पर्यावरण संरक्षण के आंदोलन का नेतृत्व करने की अपील की । उन्होंने कहा कि यदि समय रहते हमने प्रकृति का सम्मान नहीं किया, तो भविष्य की पीढ़ियों को ऐसे संकटों का सामना करना पड़ेगा,जिनसे निकलना बेहद कठिन होगा ।कार्यक्रम के अन्य वक्ताओं ने भी पर्यावरणीय चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा की । उन्होंने बताया कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं का विषय नहीं,बल्कि यह समाज के प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है । वक्ताओं ने वृक्षारोपण,प्लास्टिक के कम उपयोग, जल संरक्षण और पर्यावरणीय जागरूकता को अपनी दिनचर्या में शामिल करने पर जोर दिया ।कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण के लिए संकल्प लिया और भविष्य में इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने का दृढ़ निश्चय व्यक्त किया । व्याख्यान का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ । समग्र रूप से यह कार्यक्रम ज्ञानवर्धक,प्रेरणादायक और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने वाला साबित हुआ । मौके पर सेवानिवृत्त शिक्षक राम नरेश पांडेय, डॉ नागेंद्र झा महिला कॉलेज के प्राचार्य डॉ अमरेंद्र कुमार मिश्रा,डॉ दिलीप कुमार,अरुण कुमार,भाजपा नेता मदन प्रसाद वैश्य,इंदु तपेश्वर सिंह महिला कॉलेज के व्याख्याता डॉ रबिंद्र सिंह,रामरूप उच्च माध्यमिक विद्यालय गोड़ारी के प्राचार्य अमरेश कुमार,डॉ अभिषेक पांडेय,शिक्षक दुर्गेश तिवारी सहित कई वक्ता लोग मौजूद रहे ।

डीएम-एसएसपी ने सुरक्षा का लिया जायजा

आरा में बुलडोजर एक्शन के विरोध में सड़क जाम प्रशासन ने दी चेतावनी

एजेंसी/आरा

शहर में अतिक्रमण हटाने की मुहिम शुक्रवार को चौथे दिन भी जारी रही। इस दौरान प्रशासनिक टीम ने नवादा चौक से लेकर एसपी आवास तक सड़कों पर फैले अतिक्रमण को हटाने के लिए विशेष अभियान चलाया। नगर निगम, जिला पुलिस प्रशासन और ट्रैफिक विभाग की संयुक्त कार्रवाई के बीच कई स्थानों पर अवैध रूप से सड़क पर कब्जा जमाए दुकानदारों और ठेला संचालकों पर कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान आरा जंक्शन के पास नगर निगम की जेसीबी द्वारा अवैध संरचनाओं को तोड़े जाने से कुछ देर लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई से नाराज कुछ लोगों ने सड़क पर जाम

लगा दिया, जिससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया। जाम लगने से राहगीरों, स्कूल जाने वाले बच्चों, मरीजों और आम यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।जाम की जानकारी मिलते ही प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर लोगों को समझाया-बुझाया। काफी मान-मनौव्वल के बाद आखिरकार जाम हटाया गया और यातायात को सामान्य किया गया। अभियान के दौरान नगर निगम की टीम ने अवैध अतिक्रमणकताओं पर कड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 20 हजार रुपये का जुमार्ना वसूला गया। कई दुकानों के आगे सड़क पर फैला सामान, अवैध ठेले और कब्जे हटाए गए। निगम अधिकारियों ने साफ चेतावनी दी कि यदि किसी ने दोबारा अतिक्रमण किया तो और सख्त कदम उठाए जाएंगे। वहीं ट्रैफिक पुलिस ने भी अभियान में अपनी सक्रिय भूमिका निभाते हुए सड़क पर अनियंत्रित तरीके से वाहन खड़ा करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की। अनियमित पार्किंग और सड़क जाम में योगदान देने वाले वाहन चालकों से कुल 1 लाख 29 हजार रुपये का चालान काटा गया। पुलिस ने स्पष्ट कहा कि शहर में बढ़ते जाम और अवैध पार्किंग पर रोक लगाने के लिए यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। अतिक्रमण हटाओ अभियान से जहां शहर की सड़कों पर कुछ राहत महसूस की जा रही है, वहीं बार-बार जाम लगने से आम जनता परेशान है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन की कार्रवाई अच्छी है, लेकिन इसे नियमित रूप से और सख्ती के साथ लागू किया जाना चाहिए ताकि समस्या स्थाई रूप से खत्म की जा सके। कई लोगों ने सुझाव दिया कि नगर निगम को वैकल्पिक स्थानों पर व्यवस्थित तरीके से फुटपाथ बाजारों की व्यवस्था करनी चाहिए, ताकि छोटे दुकानदारों को भी परेशानी न हो।

छपरा में फिर चली गोलियां, कपड़ा व्यवसायी के कर्मी से डेढ़ लाख की लूट, बाइक सवार बदमाश फरार

एजेंसी/पटना

बिहार के छपरा में एक बार फिर अज्ञात हथियारबंद अपराधियों ने दुस्साहस का परिचय देते हुए एक बड़े लूटकांड को अंजाम दिया है। अपराधियों ने न केवल एक कर्मचारी को गोली मारी, बल्कि सारण पुलिस को खुली चुनौती देते हुए वसूली की करीब डेढ़ लाख रुपये की रकम भी लूट ली। यह घटना शनिवार की देर शाम छपराझसिवान मुख्य मार्ग पर हुई। जानकारी के अनुसार, मोटरसाइकिल सवार तीन अपराधियों ने कपड़ा व्यवसायी के कर्मी अरशद अंसारी को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया और उसके पास मौजूद वसूली की रकम लूटकर फरार हो गए। घायल अरशद अंसारी नगर थाना क्षेत्र के छोटका तेलपा निवासी साकिर अंसारी का पुत्र है। दाउदपुर थानाध्यक्ष कुंदन कुमार के अनुसार, अपराधियों की गिरफ्तारी और लूटी गई रकम की बरामदगी को लेकर लगातार छापेमारी की जा रही

है। उन्होंने लोगों से अपील की कि बड़ी रकम लेकर यात्रा करने से पहले स्थानीय पुलिस को जरूर सूचित करें, जिससे ऐसे मामलों को रोका जा सके।घटना के संबंध में बताया गया कि अरशद अंसारी साहेबगंज पुरानी गुरहट्टी स्थित थोक कपड़ा व्यवसायी रविशंकर गुप्ता की दुकान पर काम करता है। शनिवार देर शाम वह सिवान जिले के चैनपुर और सारण जिले के रसूलपुर बाजार से उधारी की लगभग डेढ़ लाख की राशि वसूल कर अकेले बाइक से छपरा लौट रहा था। रास्ते में दाउदपुर थाना क्षेत्र के रेलवे ढाला के पास पीछे से एक बाइक पर सवार तीन हथियारबंद अपराधियों ने उसका पीछा किया और उसे जबरन रोकने का प्रयास किया। जब अरशद ने बाइक नहीं रोकी, तो अपराधियों ने फायरिंग कर दी। गोली उसके प्राइवेट पार्ट में लगी, जिससे वह बाइक समेत गिर पड़ा। इसके बाद अपराधियों ने उसका मोबाइल छीनकर पास के पानी भरे गड्ढे में फेंक दिया और वसूली की गई रकम लूटकर एकमा की ओर भाग निकले।

नासरीगंज थाना क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाएं, व्यवसायी बढ़े चिंतित

केटी न्यूज/रोहतास

नासरीगंज थाना क्षेत्र के इटिम्हाँ गांव स्थित मां लक्ष्मी ज्वेलर्स एवं बरतन दुकान में शनिवार देर रात अज्ञात चोरों ने पीछे की दीवार तोड़कर सेंधमारी की। चोरों ने फूल व पीतल के बर्तनों के साथ ग्राहकों के सोने-चांदी के गहने और नकदी समेत लगभग ढाई लाख रुपये कीमती सामान चुरा लिया। दुकान के संचालक राम कुमार प्रसाद ने बताया कि वह शनिवार शाम दुकान बंद कर घर चला गया था। रविवार सुबह दुकान खोलने पर उसने दीवार टूटी और अलमारी के ताले टूटे देख चोरी की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, लेकिन अभी तक दुकान संचालक ने थाना में लिखित आवेदन नहीं दिया है। यह घटना नासरीगंज थाना क्षेत्र में चोरी की बढ़ती घटनाओं का ताजा उदाहरण है। इससे पहले 21 जून को ही उसी इलाके में रवि ज्वेलर्स एवं बरतन की दुकान का शटर तोड़कर लगभग दस लाख रुपये के गहने व

बरतन चोरी हो चुके हैं। उस मामले में चोरों के गिरोह का पदार्फाश कर गहने बरामद भी किए गए थे। पिछले कुछ दिनों में थाने के आसपास के इलाकों में भी चोरी की गंभीर घटनाएं हुई हैं, जैसे कि हाल ही में अमियावर गांव में दो शोरूम से लाखों रुपये की बाइक और इलेक्ट्रॉनिक सामान चोरी होना। लगातार घट रही चोरी की घटनाओं ने क्षेत्र के व्यापारियों के बीच भय और असुरक्षा की भावना को और गहरा कर दिया है। थानाध्यक्ष अविनाश कुमार ने बताया कि चोरी की घटना की जांच पुलिस ने शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि दुकानदार से आवेदन मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। चोरी के मामलों में गिरोह की सक्रियता से निपटने के लिए पुलिस सतर्क है, लेकिन व्यापारियों का मनोबल लगातार गिर रहा है।

भागलपुर–जमालपुर रेलखंड पर ओवरहेड तार टूटने से रेल परिचालन ठप, बड़ा हादसा टला

एजेंसी/पटना

बिहार के भागलपुर-जमालपुर रेलखंड पर रविवार की सुबह एक बड़ा रेल हादसा टल गया। नाथनगर और मुरारपुर स्टेशन के बीच पुरानीसराय रेलवे ट्रैक के पास ओवरहेड कैटेनरी तार अचानक टूटकर ट्रैक पर गिर गया, जिससे रेल परिचालन लगभग दो घंटे तक पूरी तरह ठप हो गया। इस अचानक हुई घटना से यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा और आसपास के इलाकों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना सुबह करीब साढ़े पांच बजे मिली। स्थानीय लोगों ने बताया कि अचानक तेज आवाज के साथ हाईटेंशन तार टूटकर

रेलवे ट्रैक पर गिर गया। इसके कारण आसपास के गांवों में भी लोगों में डर और चिंता का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने तुरंत 112 डायल कर पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने रेलवे अधिकारियों को सूचित किया, जिसके बाद भागलपुर और आसपास के स्टेशनों पर कई ट्रेनों को रोक दिया गया।बताया गया कि दानापुर इंटरसिटी एक्सप्रेस को सुबह पांच बजकर 43 मिनट पर नाथनगर स्टेशन पर रोकना पड़ा। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों को स्थिति की जानकारी देने के लिए त्वरित कदम उठाते हुए स्टेशन पर माइकिंग के माध्यम से सूचना दी और समझाया कि बिजली सप्लाई बाधित होने के कारण ट्रेनें रुकी हुई हैं। एस.एस.सी केआरडी के इंजीनियर हैप्पी शंकर ने बताया कि टूटे तार का वोल्टेज लगभग 25 हजार वोल्ट था। उन्होंने कहा कि यह कैटेनरी तार टूटने से समस्या हुई थी और तकनीकी टीम तुरंत मौके पर पहुंची। इंजीनियर ने यह भी बताया कि तार टूटने के कारणों की जांच की जाएगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।स्थानीय लोगों ने बताया कि ट्रेनें रुक जाने से यात्रियों को लंबा इंतजार करना पड़ा। स्टेशन पर खड़े यात्री परेशान नजर आए, लेकिन रेलवे प्रशासन की त्वरित कार्रवाई और तकनीकी टीम की मेहनत के कारण बड़ा हादसा टल गया। तकनीकी टीम ने लगभग दो घंटे तक मरम्मत कार्य किया। मरम्मत पूरी होने के बाद ही रेल परिचालन को सामान्य किया गया। इसके बाद सभी ट्रेनों की आवाजाही सुचारू रूप से शुरू हुई और यात्रियों को राहत मिली। रेलवे अधिकारियों ने यात्रियों से अपील की कि वे स्टेशन पर शांत रहें और रेलवे प्रशासन की जानकारी का इंतजार करें। उन्होंने कहा कि तकनीकी कारणों से ऐसी घटनाएं कभी-कभी हो सकती हैं, लेकिन सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक कदम तुरंत उठाए जाते हैं।

तेज रफ्तार बोलेरो और बाइक की जोरदार टक्कर हादसे में एक की मौत, दूसरा युवक घायल

एजेंसी/पटना

शिवहर में एक दर्दनाक सड़क हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई. यह हादसा नयागांव और श्यामपुर के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग-227 पर हुआ है. जहां एक चार पहिया वाहन बुलोरो और मोटरसाइकिल के बीच जोरदार टक्कर हो गई. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक चालक की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई है. जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है. घायल को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. बताया कि सड़क हादसा में सनोज कुमार पिता जयमंगल राम की मृत्यु हो गयी है. वही दीपक कुमार नाम के व्यक्ति है. दोनो नयागांव निवासी है.

घटना की सूचना मिलते ही श्यामपुर भटहां थाना अध्यक्ष सुनील कुमार पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है. पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है. पुलिस हादसे के कारणों की जांच में जुटी हुई है. थाना अध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

एक नजर

लिलवछ व दावथ उपकेंद्र से चार दिन विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

बिक्रमगंज। विद्युत आपूर्ति प्रशाखा दिनारा व दावत अंतर्गत 132 केवी डेहरी से कोचस ट्रांसमिशन लाइन का रिकॉन्डक्टिंग का कार्य होने के कारण लिलवछ व दावथ विद्युत शक्ति उपकेंद्र से निकले 11 केवी मेदनीपुर एवं छितनी फीडर का विद्युत आपूर्ति 1 से 4 दिसंबर तक 9 बजे से 16 बजे के बीच बन्द रहेगी। सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार द्वारा सभी उपभोक्ताओ से आग्रह किया गया है कि विद्युत आपूर्ति बंद होने से पहले ही बिजली संबंधित अपना जरूरी काम निपटा लेंगे। मरम्मति के दौरान तकनीकी सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए बिजली आपूर्ति बंद करने का निर्णय लिया गया है। इससे कई क्षेत्रों में चार दिन तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। बिजली विभाग ने उपभोक्ताओं को सुझाव दिया है कि आवश्यक घरेलू और व्यावसायिक कार्य निर्धारित समय से पहले ही निपटा लें ताकि किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। इस रखरखाव कार्य का उद्देश्य लाइन व उपकरणों की कार्य क्षमता को दुरुस्त रखना है ताकि निर्बाध और सुरक्षित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

सहकारिता एवं वन्य पर्यावरण मंत्री, बिहार सरकार- सदस्य बिहार विधान परिषद मंत्री का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया

नासरीगंज। नासरीगंज नगर धूस पर सहकारिता एवं वन्य पर्यावरण मंत्री, बिहार सरकार- सदस्य बिहार विधान परिषद मंत्री डॉ प्रमोद चंद्रवंशी का भव्य स्वागत अभिनंदन किया गया । सहकारिता मंत्री को फूल माला ,अंग वस्त्र से सम्मानित किया गया । नगर अध्यक्ष संतोष कुमार की अध्यक्षता में एनडीए के सभी परिवार साथ में मंत्री का स्वागत अभिनंदन किया इस कार्यक्रम में उपस्थित डॉ अमरेंद्र अजय सोंडिक ,प्रमोद कुशवाहा ,लाल बाबू उर्फ संतोष कुमार ,अमित कुमार वर्मा ,शैलेश यादव, लोकेश्वर कुमार ,संदीप बहादुर, कनकधीर उपाध्याय ,मंतोष यादव ,रवि सिंह, कमलेश सिंह, जयश्रीराम ,बंशीधर कुशवाहा ,मीनू सिंह ,अर्जुन विश्वकर्मा, सुरेश पांडेय,अरुण दुबे पैक्स अध्यक्ष जोन्ही सहित सैकड़ो लोगों ने भाग लिया

शेरशाह अभियंत्रण महाविद्यालय सासाराम में रामानुजन टैलेंट सर्च परीक्षा काहुआ सफल आयोजन

सासाराम। 30 नवंबर।शेरशाह अभियंत्रण महाविद्यालय, सासाराम के प्रांगण में रामानुजन टैलेंट सर्च इन मैथमेटिक्स एंड साइंस परीक्षा का आयोजन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग तथा तकनीकी शिक्षा विभाग, बिहार सरकार के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। यह परीक्षा तीन दिवसीय कार्यक्रम के तहत 29-30 नवंबर एवं 1 दिसंबर को संपन्न होगी। इस संदर्भ में जानकारी देते हुए आनंद कुमार, सहायक प्राध्यापक, शेरशाह अभियंत्रण महाविद्यालय ने बताया कि जिले के लगभग 1500 छात्र-छात्राओं ने इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। परीक्षा को चार पालियों में शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से आयोजित की गयी। उन्होंने आगे बताया कि परिणाम विभाग द्वारा जारी किया जायेगा, जिसके बाद सफल प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किया जायेगा। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों में विज्ञान और गणित के प्रति रुचि बढ़ाना तथा मेधावी विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचान और प्रोत्साहन देना है। परीक्षा के सफल संचालन में कॉलेज प्रशासन, पर्यवेक्षक,शिक्षकों एवं सहयोगी कर्मियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

पटना-औरंगाबाद रेल संपर्क होगा सुगम, भूमि अधिग्रहण शुरू4047 करोड़ रुपये में होगा निर्माण कार्य

पटना। पूर्व मध्य रेलवे की बहुप्रतीक्षित बिहटा-औरंगाबाद रेल परियोजना अब तेजी से आगे बढ़ रही है। रेलवे बोर्ड ने इस परियोजना के पहले चरण, यानी औरंगाबाद टर्मिनल से अनुग्रह नारायण रोड तक (12.906 किमी) को 26 जून 2024 को मंजूरी दी थी। वहीं, दूसरे चरण के लिए बिहटा से अनुग्रह नारायण रोड तक 117.06 किमी की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (उ्ढफ) को 30 सितंबर 2025 को स्वीकृति मिल गई है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर कुल 4047.01 करोड़ रुपये खर्च होंगे, जिसमें सिविल इंजीनियरिंग पर 3458.46 करोड़, संकेत एवं दूरसंचार पर 180.08 करोड़ और इलेक्ट्रिकल कार्यों पर 408.47 करोड़ रुपये व्यय होंगे। प्रथम चरण के लिए पिंक बुक 2025-26 के आइटम संख्या 34 के तहत 42.70 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया भी तेजी से चल रही है।

जमीन से जुड़े काम होंगे आसान! अब हर अंचल कार्यालय में बैठेंगे डिजिटल सहायक

एजेंसी/पटना

आम लोगों को राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की ऑनलाइन सेवाएं आसानी से उपलब्ध कराने के लिए विभाग ने एक बड़ा और प्रभावी कदम उठाया है। विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने सभी जिलाधिकारियों को पत्र जारी करते हुए निर्देश दिया है कि कॉमन सर्विस सेंटर द्वारा चयनित विलेज लेवल एंटरप्रेन्योर के लिए प्रत्येक अंचल कार्यालय में उचित जगह उपलब्ध कराई जाए। इससे उन लाखों लोगों को राहत मिलेगी जो जमीन से जुड़ी सेवाओं के लिए ऑनलाइन सिस्टम का पूरा लाभ नहीं उठा पाते और सीधे अंचल कार्यालयों का रुख करने को

मजबूर होते हैं।राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने पिछले कुछ वर्षों में लगभग सभी राजस्व सेवाओं को ऑनलाइन कर दिया है। दाखिल-खारिज, परिमार्जन, एलपीसी, भूमि विवरण, दाखिल दखल, राजस्व रसीद, जमीन से संबंधित प्रमाण पत्र सहित कई सेवाएं अब ऑनलाइन उपलब्ध हैं। इसके बावजूद बड़ी संख्या में लोग इंटरनेट, पोर्टल और डिजिटल प्रक्रियाओं की जानकारी के अभाव में ऑनलाइन आवेदन करने में कठिनाई महसूस करते हैं। ग्रामीण इलाकों में डिजिटल साक्षरता की कमी और तकनीकी दिक्कतों के कारण आम लोग अक्सर सीधे अंचल कार्यालय पहुंच जाते हैं, जहां उन्हें कई बार लंबी कतारों, फॉर्म भरने में सहायता की कमी और अन्य तकनीकी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। लोगों की इसी समस्या को देखते हुए विभाग ने निर्णय लिया है कि अब हर अंचल कार्यालय में एक चयनित वीएलई मौजूद रहेगा। ये वीएलई वही होंगे जिन्हें कॉमन सर्विस सेंटर द्वारा चयनित किया गया है। लोगों को ऑनलाइन आवेदन, दस्तावेज अपलोड, दाखिल-खारिज से जुड़े कार्य, परिमार्जन, प्रमाण पत्र डाउनलोड, भुगतान जैसी हर सेवा में यह वीएलई मदद करेगा। इससे उन नागरिकों को लाभ मिलेगा जो स्मार्टफोन, कंप्यूटर या इंटरनेट के माध्यम से आवेदन करने में सहज नहीं हैं। अब वे सीधे अंचल कार्यालय में जाकर वीएलई की सहायता से अपनी ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। अपर मुख्य सचिव के निर्देशों के अनुसार वीएलई को बैठने के लिए जगह उपलब्ध कराना अंचल कार्यालय की जिम्मेदारी होगी। इसके लिए किसी अतिरिक्त बजट या संसाधनों की आवश्यकता नहीं होगी।

वीएलई को तय दर पर मिलेंगी सेवाएं सलाहकार का भी काम करेंगे

वीएलई सभी सेवाओं के लिए तय दर पर शुल्क लेंगे, जिसकी सूची अंचल कार्यालय में प्रदर्शित करनी होगी। कोई व्यक्ति यह समझ सके कि किस ऑनलाइन काम के लिए कितना शुल्क लगेगा। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और मनमानी वसूली की शिकायतें नहीं होंगी। इसके अलावा वीएलई जरूरत पड़ने पर आम लोगों को सलाहकार की तरह भी मार्गदर्शन देंगे किस सेवा के लिए कौन सा दस्तावेज जरूरी है।

बिहार : मोतिहारी में बेकाबू ट्रक ने 6 गाड़ियों को रौंदा, 5 लोगों मौके पर दर्दनाक मौत, कई घायल

एजेंसी/मोतिहारी

बिहार के मोतिहारी-गोपालगंज नेशनल हाइवे कोटवा थाना क्षेत्र के दिपउ मोड़ के पास रविवार (30 नवंबर) की दोपहर तेजरफ्तार ट्रक ने छह गाड़ियों को टक्कर मार दी. ट्रक की चपेट में 5 बाइक और एक ई रिक्शा आई, जिसमें पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि छह लोग घायल हो गए. जानकारी के मुताबिक कोटवा थाना क्षेत्र के दीपक मोड़ के पास तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से पांच लोगों की मौत हो गई है. वहीं 6 लोग घायल है सभी घायलों को इलाज के लिए ग्रामीण की सहयोग से अस्पताल पहुंचाया गया है. घायलों की हालत नाजुक बताई जा रही है. एक्सीडेंट इतना जबरदस्त था कि मौके पर बाइक और ई-रिक्शा में सवार 5 लोगों की मौके पर मौत हो गई है.कोटवा के थाना प्रभारी प्रत्यूष कुमार विक्की ने बताया कि घटना

की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई. स्थानीय लोगों ने बताया कि चालक ने घटना के दौरान ट्रक से अपना नियंत्रण खो दिया था, जिस कारण कुछ अन्य वाहनों को भी अपनी चपेट में ले लिया. उन्होंने बताया कि इस दुर्घटना में पांच लोगों की मौत हो गई है. पुलिस ने सभी शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी के सदर अस्पताल में भेज दिया है, जबकि घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. घायलों में दो की हालत गंभीर बताई जा रही है. मृतकों की पहचान अब तक नहीं हुई है. उनकी पहचान की कोशिश की जा रही है. इधर, घटना के बाद एनएच पर जाम की स्थिति बन गई, जिससे वाहनों की लंबी कतार लग गई. इस दौरान आक्रोशित लोगों ने सड़क भी जाम कर दी. लोगों का आरोप है कि आए दिन यहां हादसे होते रहते हैं, लेकिन प्रशासन कोई उपाय नहीं कर रहा है. पुलिस लोगों को समझाने की कोशिश कर रही है।

घायलों की हालत नाजुक

पुलिस ने सभी शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी के सदर अस्पताल में भेज दिया है, जबकि घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. घायलों में दो की हालत गंभीर बताई जा रही है. मृतकों की पहचान अब तक नहीं हुई है. उनकी पहचान की कोशिश की जा रही है।

लोगों का फूटा गुस्सा

इधर, घटना के बाद एनएच पर जाम की स्थिति बन गई, जिससे वाहनों की लंबी कतार लग गई. इस दौरान आक्रोशित लोगों ने सड़क भी जाम कर दी. लोगों का आरोप है कि आए दिन यहां हादसे होते रहते हैं, लेकिन प्रशासन कोई उपाय नहीं कर रहा है. पुलिस लोगों को समझाने की कोशिश कर रही है।

एक नजर

पटना में 'नो पार्किंग' का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई शुरू, पहले ही दिन दर्जनों वाहनों का कटा चालान

पटना । पटना नगर निगम ने शहर में बढ़ते ट्रैफिक जाम और अवैध पार्किंग की समस्या से निपटने के लिए नो-पार्किंग जोन में वाहनों पर डिजिटल चालान काटने का अभियान शनिवार से शुरू कर दिया है। पहले ही दिन इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के हाई-रिजॉल्यूशन कैमरों की मदद से 53 चालान जारी किए गए हैं। नगर आयुक्त यशपाल मीणा के निर्देश पर यह व्यवस्था पूरी तरह से स्वचालित है। इसमें मानवीय हस्तक्षेप न्यूनतम रखा गया है। वाहन स्वामियों को उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर तुरंत नोटिस भेजा गया ताकि वे समय रहते जुर्माना जमा कर सकें। इस अभियान के तहत ऑटोमेटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन कैमरों का उपयोग किया जा रहा है, ये कैमरे नो-पार्किंग क्षेत्र में वाहन का नंबर स्कैन कर चालान जनरेट करते हैं। जहां अठढफकैमरे नहीं हैं, वहां क्ळ्उउ के सर्विलांस कैमरों से ली गई तस्वीरों के आधार पर कार्रवाई हो रही है। शनिवार को नेहरू पथ, बोरिंग रोड, कंकड़बाग, राजा बाजार, एग्जीबिशन रोड, फ्रेजर रोड तथा स्टेशन-गांधी मैदान जैसे व्यस्त मार्गों पर निगरानी तेज की गई। इन क्षेत्रों में अनधिकृत पार्किंग से यातायात बाधित हो रहा था, जिसे अब नियंत्रित करने का प्रयास किया जा रहा है। पटना को जाम-मुक्त बनाने के लिए इन कदमों की जरूरत है। रोजाना हजारों वाहन यहाँ अवैध पार्किंग के कारण रुकावट पैदा करते हैं। नगर निगम का कहना है कि चालान की राशि 500 रुपये से शुरू होगी, मगर दोबारा उल्लंघन पर राशि दोगुनी हो जाएगी। यह अभियान अब नियमित रूप से चलेगा और सभी व्यस्त सड़कों पर ऐसे ही कड़ी निगरानी बनी रहेगी।

भीषण सड़क हादसे में मां-बेटे की मौत, पिता की हालत नाजुक, तेज रफ्तार हाइवा ने बाइक सवार को रौंदा

पटना । बिहार में गाड़ियों की तेज रफ्तार की चपेट में आकर असमय ही लोग मौत के शिकार हो रहे हैं। ताजा घटना सहरसा से सामने आई है, जहां तेज रफ्तार हाइवा ने बाइक सवार दंपति को रौंद डाला, जिससे मां-बेटे की मौत हो गई जबकि पिता की हालत नाजुक बनी हुई है। दरअसल, यह घटना पूर्वी कोसी तटबंध के अंदर चिड़ैया थाना क्षेत्र के रैठी-भेलाही मार्ग की है, जहां एक अनियंत्रित तेज रफ्तार हाइवा ट्रक ने बाइक सवार दम्पति को रौंद दिया। इस दुर्घटना में एक महिला सहित उसकी दो वर्षीय मासूम बच्चे की मौत हो गई है जबकि पति व एक बच्चे इलाजरत है। मृतकों की पहचान मानसी थाना क्षेत्र के बलहा बाजार निवासी अमित सादा की 25 वर्षीय पत्नी काजल देवी एवं पुत्र 2 वर्षीय वीर कुमार के रूप में की गई है। चिड़ैया थाना पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले में अग्रतर कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना के संबंध में चिड़ैया थाना के प्रभारी थानाध्यक्ष प्रेमचन्द चौधरी ने बताया कि एक हाईवा ट्रक मेटल अनलोड कर वापस खगड़िया की ओर जा रहा था।

पेड़ से टकराई तेज रफ्तार बाइक, हादसे में दो भाइयों की मौत

मनुआपुल। मनुआपुल थाना क्षेत्र के पतरखा, नौरंगिया रोड स्थित ब्रह्म स्थान के समीप शनिवार रात लगभग आठ बजे बाइक दुर्घटना में दो चचेरे भाइयों की दर्दनाक मौत हो गई। अनियंत्रित बाइक के पेड़ से टकराने के बाद दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान बैरिया थाना क्षेत्र के गजरवा बाजार वार्ड संख्या 1 निवासी शंभू धागड़ के पुत्र संदीप कुमार (27) तथा संजय धागड़ के पुत्र रामबाबू कुमार (20) के रूप में हुई है। मनुआपुल थाना पुलिस ने रविवार सुबह दोनों शवों को कब्जे में लेकर जीएमसीएच भेजकर पोस्टमार्टम कराया और परिजनों को सौंप दिया।

बारात के दौरान दूल्हे की पिटाई, डीजे बजाने के विवाद में मारपीट, कई घायल

एजेंसी/पटना

बाढ़ अनुमंडल के सालिमपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत रामनगर गांव में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब बारात निकलने के दौरान दूल्हे की बेरहमी से पिटाई कर दी गई। इस घटना में दूल्हे के साथ-साथ उसके परिजनों को भी चोटें आई हैं। पूरे मामले ने शादी वाले घर की खुशियों को मातम में बदल दिया। घायल दूल्हा और उसके परिवार के सदस्यों का इलाज बख्तियारपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है, जहां उनकी स्थिति फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। बरात निकलने की तैयारियां अंतिम चरण में थीं। दूल्हे के घर पर सभी रस्में पूरी हो चुकी थीं और रिश्तेदार व ग्रामीण एकत्रित होकर बारात की खुशियों में शामिल हो रहे थे। इसी बीच गांव के ही कुछ दबंग युवक वहां पहुंच गए। उन्होंने बारात के साथ जबरन डीजे बजाने की मांग की। दूल्हे के परिवार के सदस्यों ने बताया कि वे शांतिपूर्वक ढंग से बारात निकालना चाहते थे और डीजे चलाने से मना कर दिया

गया था। डीजे को लेकर हुए इस विरोध के बाद माहौल अचानक तनावपूर्ण हो गया। बताया जाता है कि उक्त दबंग युवक जबरन डीजे बजवाने पर अड़े थे और मना करने पर उन्होंने गाली-गलौज शुरू कर दी। देखते ही देखते विवाद मारपीट तक पहुंच गया और दबंगों ने दूल्हे को निशाना बनाते हुए उसकी जमकर पिटाई कर दी। दूल्हे की चीख-पुकार सुनकर परिवार के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव करने का प्रयास किया। लेकिन भीड़ में मौजूद दबंग युवकों ने उन्हें भी नहीं बख्शा और दूल्हे के भाइयों व रिश्तेदारों पर भी हमला कर दिया। अचानक हुए इस हमले से बारात में शामिल लोगों के बीच भगदड़ की स्थिति बन गई। महिलाएँ और बच्चे भयभीत होकर इधर-उधर भागने लगे। दूल्हे के बहनोई ने बताया कि कुछ लड़के पहले से ही बारात को लेकर अनाप-शनाप मांगें कर रहे थे। उन्होंने दावा किया कि जबरन डीजे बजवाने का दबाव बना रहे युवकों ने सोची-समझी साजिश के तहत हमला किया। हम लोग बारात निकाल रहे थे। तभी वे लोग आए और जबरन डीजे बजाने के लिए कहने लगे। मना करने पर उन्होंने दूल्हे पर हमला कर दिया। उसके बाद हम सभी को भी बेरहमी से पीटा गया, बहनोई ने बताया।

पटना नगर निगम के कर्मचारियों के लिए गुड न्यूज : दैनिक मजदूरी में हुई बढ़ोतरी

एजेंसी/पटना

पटना नगर निगम ने दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों के हित में एक बड़ा फैसला लिया है। निगम ने कर्मचारियों की दैनिक मजदूरी में 50% तक की वृद्धि को मंजूरी दे दी है, जो 1 अप्रैल 2025 से प्रभावी होगी। इस निर्णय से हजारों श्रमिकों के जीवन स्तर में सुधार की उम्मीद है और उन्हें आर्थिक सुरक्षा भी मिलेगी। यह बढ़ोतरी खासकर आउटसोर्स एजेंसियों के माध्यम से कार्यरत श्रमिकों के लिए बड़ी राहत मानी जा रही है। सरकार द्वारा निर्धारित नई न्यूनतम मजदूरी दरों को नगर निगम ने पूरी तरह लागू कर दिया है, जिसका सीधा लाभ 4,887 मानव बल को मिलेगा। यह जानकारी शनिवार को मौर्यलोक स्थित मौर्य मंडपम में पटना नगर निगम और आउटसोर्सिंग एजेंसियों की संयुक्त समन्वय बैठक में दी गई। बैठक की अध्यक्षता महापौर सीता साहू ने की, जबकि उप महापौर रेशमी कुमारी, नगर आयुक्त यशपाल मीणा, उप नगर आयुक्त राजन सिन्हा और प्रद्युम्न सिंह सहित सशक्त स्थायी समिति के सदस्य, पार्षद और निगम अधिकारी उपस्थित रहे। नई मजदूरी दरें 1 अप्रैल 2025 से लागू होंगी। महापौर सीता साहू ने कहा कि यह केवल मजदूरी वृद्धि नहीं, बल्कि मेहनतकश श्रमिकों के सम्मान और आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करने का प्रयास है। उन्होंने आउटसोर्स एजेंसियों को निर्देश दिया कि नई दरों के अनुसार समय पर वेतन भुगतान सुनिश्चित किया जाए। वहीं नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने आश्वस्त किया कि निगम नई मजदूरी दरों को समय पर लागू कराने और वेतन वितरण में किसी भी देरी को रोकने के लिए प्रतिबद्ध है।

श्रेणी	पुरानी दर (प्रतिदिन)	नई दर (प्रतिदिन)	वृद्धि
अकुशल	400 रुपये	424 रुपये	+24 रुपये (+6%)
अर्द्धकुशल	400 रुपये	440 रुपये	+40 रुपये (+10%)
कुशल	436 रुपये	536 रुपये	+100 रुपये (+23%)
अतिकुशल	436 रुपये	654 रुपये	+218 रुपये (+50%)

बिहारशरीफ में स्थित 100 साल पुरानी ऐतिहासिक धर्मशाला 'श्री बिहार धर्मशाला' का होगा जीर्णोद्धार

एजेंसी/पटना

बिहारशरीफ में स्थित 100 साल पुरानी ऐतिहासिक धर्मशाला 'श्री बिहार धर्मशाला' का जीर्णोद्धार किया जाएगा। नवीनीकरण के बाद धर्मशाला में यात्रियों और पर्यटकों के लिए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे बिहारशरीफ में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। भरावपर स्थित इस धर्मशाला का निर्माण वर्ष 1925 में हुआ था। धर्मशाला के सचिव मृत्युंजय नाथ गोपाल के अनुसार, उस समय यहां बीबी लाइट रेलवे लाइन और प्रमुख सरकारी बस स्टैंड भी मौजूद थे। पुराने समय में धर्मशाला में कुल 19 कमरे थे और यह 47 डिसमिल में फैली हुई थी। कानूनी विवाद के कारण इनमें से 10 डिसमिल भूमि पर कार्य अभी रोक में है। पुराने समय में दूर-दराज से रोजगार के लिए आने वाले लोग महीनेभर मात्र 10 रुपये में ठहरते थे। बाद के वर्षों में किराया बढ़कर 125 रुपये प्रति माह तक पहुंच गया। भवन निर्माण से जुड़ी आपत्तियों के बाद पुरानी धर्मशाला को खाली करा दिया गया था। धार्मिक न्यास के अधीन

होने के कारण इसके पदेन अध्यक्ष एसडीओ हैं। अध्यक्षता में जी-4 श्रेणी का प्रपोजल भेजा गया है, और स्वीकृति मिलने पर अगले वर्ष भूमि पूजन की संभावना जताई गई है। न्यास के अध्यक्ष रणवीर नंदन ने भरोसा दिलाया कि इस ऐतिहासिक धरोहर को नए स्वरूप में संवारने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। सचिव ने बताया कि नवीनीकरण के बाद धर्मशाला में 100 कमरे, ग्राउंड और फर्स्ट फ्लोर पर लगभग 50 दुकानें, सेकंड फ्लोर पर यात्रियों के लिए 50 कमरे, थर्ड फ्लोर पर आधुनिक मैरिज हॉल, और चौथी मंजिल पर पुस्तकालय एवं योगा हाल का निर्माण होगा। किराया तय नहीं हुआ है, लेकिन समिति ने निर्णय लिया है कि जरूरतमंदों, मरीजों और साधु-संतों के लिए मुफ्त आवास और छात्रों के लिए रियायती दर पर कमरे उपलब्ध कराए जाएंगे। इस परियोजना पर कुल पांच करोड़ रुपये खर्च आने का अनुमान है। सचिव ने आशा व्यक्त की कि भरावपर की यह ऐतिहासिक धरोहर अब आधुनिकता और परंपरा के संगम के रूप में फिर से जीवंत होने जा रही है।

एक स्वेटर से नहीं चलेगा काम: दिसंबर शुरू होते ही बिहार में बढ़ेगी ठंड

- **पारा फिर 10 डिग्री के नीचे जाने की आशंका**

एजेंसी/पटना

नए हफ्ते और 2025 के आखिरी महीने की शुरूआत के साथ ही मौसम ने अपना रुख बदलना शुरू कर दिया है। सोमवार से बिहार समेत पूरे उत्तर भारत में ठंड का असर तेजी से बढ़ने वाला है। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि दिसंबर की शुरूआत कंपकपी देने वाली साबित हो सकती है। नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर भारत में सक्रिय होने जा रहा है, जिसके कारण तापमान में अचानक भारी गिरावट दर्ज होने की आशंका है।

अब तक दिन के समय हल्की धूप लोगों को राहत दे रही थी, लेकिन अब आसमान का मिजाज बदलने वाला है। कई जिलों में बादल छाए रहेंगे, जिससे तापमान और नीचे जा सकता है। सुबह-शाम ठिठुरन बढ़ेगी और कई इलाकों में घना कोहरा भी छा सकता है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि यह सीजन की पहली बड़ी ठंड होगी और आम लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। मौसम विभाग के मुताबिक, नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से हवाओं की दिशा में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। पछुआ हवाएँ सामान्य से तेज रफ्तार पकड़ेंगी, जिनकी गति 40 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। इन हवाओं के कारण रात के तापमान में भारी गिरावट आएगी। राज्य के उत्तर-पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी जिलों में तापमान 10-12 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है, जबकि मध्य और पूर्वी भागों में न्यूनतम तापमान 12-15 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। दिन के तापमान में भी गिरावट का असर दिखेगा। अब तक अधिकतम तापमान 28-30 डिग्री तक दर्ज किया जा रहा था, लेकिन अगले कुछ दिनों में यह 26-28 डिग्री तक सीमित रह सकता है। यह बदलाव साफ संकेत है कि सर्दी ने दस्तक दे दी है और आने वाले दिनों में तापमान और भी नीचे जा सकता है। मौसम विशेषज्ञों ने बताया कि दिसंबर का महीना इस बार ह्यकूल-कूलह्ण रहने वाला है। शुरूआती सप्ताह में तापमान अचानक नीचे जाएगा, जबकि दूसरे सप्ताह में ठिठुरन और भी बढ़ सकती है। कई जिलों में पारा 10 डिग्री सेल्सियस से भी नीचे दर्ज होने की संभावना है, जो मौसम के कड़ाके की ठंड का संकेत है।

आपदा प्रबंधन विभाग की चेतावनी

हर साल दिसंबर से जनवरी के बीच शीतलहर का प्रकोप सबसे अधिक देखा जाता है। इस बार भी सर्दी की तीव्रता लगातार बढ़ रही है। आपदा प्रबंधन विभाग ने लोगों को सावधान रहने की सलाह दी है। विभाग का कहना है कि ठंड से बचाव के इंतजाम पहले से कर लेने चाहिए ताकि शीतजनित बीमारियों से बचा जा सके। बुजुर्ग, छोटे बच्चे और बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है।

पटना में फिर चलेगा बुलडोजर, 1 दिसंबर से बड़े अभियान की तैयारी

एजेंसी/पटना

बिहार में नई सरकार के गठन के बाद गृह मंत्री सम्राट चौधरी का बुलडोजर एक्शन लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने और शहरों को व्यवस्थित करने के उद्देश्य से सरकार लगातार सख्त रुख अपनाए हुए है। इसी कड़ी में अब पटना में एक बार फिर बड़ा अतिक्रमण अभियान शुरू होने जा रहा है। जिला प्रशासन ने 1 दिसंबर से पूरे शहर में अतिक्रमण के खिलाफ विशेष अभियान चलाने की तैयारी पूरी कर ली है। पटना के जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एसएम ने अतिक्रमण के खिलाफ एक बड़े अभियान का आदेश जारी किया है। प्रशासन के अनुसार यह अभियान मल्टी-एजेंसी ड्राइव के रूप में संचालित होगा जिसमें नगर निगम, पुलिस, परिवहन विभाग, अंचल अधिकारी सहित कई एजेंसियां शामिल रहेंगी। यह अभियान पूरे शहर के उन क्षेत्रों में चलेगा जहां लगातार सड़क, फुटपाथ और सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे की समस्या बढ़ती जा रही है। इस विशेष अभियान के लिए जिला प्रशासन ने कुल 9 टीमें गठित की हैं। ये टीमें शहर के छह प्रमुख अंचलों नूतन राजधानी, पाटलिपुत्र, कंकड़बाग, बांकीपुर, अजीमाबाद, पटना सिटी में अतिक्रमण हटाने का काम करेंगी।